

निष्क्रमितुम्. med.: निष्क्रमस्व MBh. 3, 8622 = R. 3, 16, 16. निष्क्रममाण 2, 16, 32. PAKĀT. 237, 5. निष्क्रम ist im Drama der technische Ausdruck für abtreten Çāk. 4, 20 u. s. w. — caus. hinausgehen lassen, hinausstreiben: पत्नी निष्क्रामयति ÇAT. Br. 3, 5, 2, 13. R. 4, 9, 24. Mṛāḥ. 154, 18. 163, 22. परिलीपधनं नरम् । मात्रा निष्क्रामयेदेषा Sām. D. 43, 21. निरचिक्रमत् BHATT. 7, 70. शरीराच्छ्रमपर्यार्थं निष्क्रामयति P. 5, 4, 61, Sch. निष्क्राम्यते, निष्क्राम्यमाण Mār. P. 11, 17. बन्धनात्पितरौ निःक्रमय्य (sic) aus dem Gefängnis befreien Daśar. 113, 2.

— अभिनिस् hinaus- und hinzuschreiten: प्रविश्य चाभिनिष्क्रातं सुग्रीवं वानरर्षभाः । अभ्यषिञ्चन्महामात्राः R. 4, 23, 21. अभिनिष्क्रामति दारम् mit dem acc. das Thor geht nach dem und dem Ort hinaus, führt zu d. u. d. O. P. 4, 3, 86. hinaussschreiten, hinausgehen: आगारादभिनिष्क्रातः — परिब्रजेत् M. 6, 41. वर्धमानपुरद्वारादभिनिष्क्रम्य MBh. 3, 10. कन्दरात् R. 4, 56, 3. अभिनिष्क्रातगृहवास der seine Wohnung verlassen hat um Einsiedler zu werden (als verb. trans. mit dem verlassenen Ort als nächstem obj.) Burn. Lot. de la b. I. 333; vgl. अभिनिष्क्रमण.

— उपनिस् act. hinaus- und hinzuschreiten, hinaussschreiten, hinausgehen: उदञ्च उपनिष्क्रम्याह्वनीयमुपतिष्ठते ÇAT. Br. 2, 6, 4, 37. 3, 2, 4, 16. आद्यं गृहीतोपनिष्क्रामति 5, 3, 13. 4, 3, 5, 20. यथाप्रपन्नमुपनिष्क्रम्य Çāk. Çr. 5, 18, 12. उपनिष्क्रम्य नगरात् MBh. 2, 1070. आश्रमादुपनिष्क्रामत् R. 2, 92, 4. देहादुपनिष्क्रम्य MBh. 1, 3243. — Vgl. उपनिष्क्रमण.

— विनिस् hinaussschreiten, hinausstreiten: विनिष्क्रामति Bhāg. P. 3, 31, 23. विनिष्क्रामन् MBh. 2, 2538. देशात्स्माद्विनिष्क्रम्य 3, 2567. R. 2, 93, 1, 4, 39, 17. 6, 94, 3. BRAHMA-P. in LA. 39, 8. Bhāg. P. 4, 2, 19. विनिष्क्रात MBh. 3, 11089 (p. 372). Çānti. 2, 18. PAKĀT. 213, 14. यथा प्रविश्यात्तर्मत्तकस्य को वै मनुष्यो हि विनिष्क्रमेत MBh. 3, 10273.

— परा vorschreiten, drauflosgehen, sich muthig zeigen, Kraft entwickeln, grossen Eifer an den Tag legen, sich in einer Sache hervorthun: प्रहृष्टास्तिष्ठन्परेऽपराक्रम्य (प्रीयानुवाकानुवचनान्यनुब्रूयात्) Çāṇḍ. Çr. 5, 16, 4. देवा देवेषु पराक्रमधम्, प्रथमा द्वितीयेषु पराक्रमधम् 4, 10, 1, 2. (रात्रौ) वक्रवर्च्चतपदर्शान्सिंहवच्च पराक्रमेत् M. 7, 106. स च तान्प्रतिविव्याध द्वाभ्यां द्वाभ्यां पराक्रमन् MBh. 1, 4103. यतमानं पराक्रामत् 4, 2083. 3, 1494. युद्धाय सहसा राजन्यपराक्रातो परस्परम् 5, 7108. आकाशे मा पराक्रम 13, 2058. प्रभुत्वं हि पराक्रम्य सम्यक्पतकेषु ते 2059. यत्र तपः पराक्रम्यं व्रतं धारयत्युत्तरम् AV. 10, 7, 11. यज्ञे यत्र पराक्रातः 16. रामस्यार्थं पराक्राता वानरास्त्यक्तजीविनः R. 6, 75, 55. पानोपार्थं पराक्राता यत्र ते धातरो कृताः MBh. 17, 91. भर्तुः कार्यं पराक्रातः R. 4, 54, 5. सैन्धवं त्वमिदं प्रेत्य पराक्रातं पलायने der nur daran dachte zu fliehen MBh. 3, 13772. मम हेतोः पराक्रातः गतः स्वर्गम् R. 3, 73, 31. स्रज्हेतोः पराक्रातान्ये मे द्रव्यं पुत्रकान् MBh. 1, 5317. 3, 1937. अधिरामे पराक्रातम् (subst. Sch.): रामः पराक्रमस्य स्वामी BHATT. 8, 93. खे पराक्रस्त तूर्णम् 22; Sch.: पराक्रस्त = उत्सहे, उत्साहं चकार, mit Verweisung auf P. 1, 3, 39 und Vop. 23, 30, wo gesagt wird, dass पराक्रम wie क्रम् und उपक्रम in der Bed. von वृत्ति, सर्ग (उत्साह) und तायन im med. erscheine. — Vgl. पराक्रम.

— परि act. (med. MBh. 1, 6394. 3, 8256). 1) umherschreiten, herumgehen: सूर्यः परिक्रामन् AV. 8, 6, 8. सर्वतः परिक्रामम् ÇAT. Br. 3, 3, 4, 13. KĀTJ. Çr. 4, 9, 17. 17, 1, 11. 24, 3, 7. परिक्रामति संसारं चक्रवत् MBh. 3, 13878. स-

भिश्च यः परिक्रामेत् 13, 4279. पर्यक्रामश्च विधिवत्स्वे स्वे कर्मणि याजकाः 1, 2032. R. 1, 13, 3. परिक्रमन्व्योमि विवृतेनेत्रः mit den Augen am Himmel herumgehend Bhāg. P. 3, 8, 16. — MBh. 1, 6722. 6894. 8479. 3, 12911. 13151. R. 1, 40, 22. 6, 99, 23. Çāk. 8, 16, 22. 10, 13. 31, 6. 43, 19. 51, 18. 93, 12. Dhūrtas. 74, 6. 77, 12, 16. वृत्तादत्तं परिक्रामन् BHATT. 8, 70. herumschreiten um, durchschreiten, besuchen; mit dem acc.: परि वाजपतिः कृविर्मिर्ह्वान्यक्रमीत् RV. 4, 15, 3. सहेभिर्विश्च परि चक्रम मूरतः 10, 56, 5. AV. 4, 17, 4. उभौ तस्मै भवाश्वौ परिक्रम्येयुमस्यतः (hierher oder zu 2.) 12, 4, 17. त्रिरग्निं ते परिक्रम्य R. 1, 73, 36. Bhāg. P. 3, 12, 20. उत्तरेण (पदेन) परिक्रम्य जम्बूद्वीपम् 4, 40, 63. परिक्रामति यः सर्वलोका-न्संक्रामन्बलात् 6, 13, 30. MBh. 14, 1749. दुर्मनाः विमुल्लस्यैव परिचक्राम तां समाम् 2, 1665. fg. R. 5, 12, 19. Vikr. 31, 15. परिचक्राम मेदिनीम् R. 1, 31, 21. MBh. 3, 8256. परिक्राता मही सर्वा R. 1, 41, 8. परिचक्राम ब्राह्मणावस्थान्वहन् MBh. 1, 6356. परिक्रात n. der Platz auf dem Jmd herumgeschritten ist, die Fusstapfen: इदं चेदात्तदतानां कुञ्जराणां तस्विनाम् । शैलपार्श्वे परिक्रातम् R. 2, 100, 10. स समीप्य परिक्रातं सीताया रान्तस्य च 3, 68, 46. — 2) im Gehen überholen: ऊर्ध्वगेन मृता भीमेन परिकर्षणा । उत्सहे ऽहं परिक्रातुं सर्वानाकाशगोचरान् R. 5, 3, 42. — intens. sich beständig herumbeugen: एवं भगणा ग्रहादयः — ध्रुवमेवावलम्ब्य वायुनोदीर्यमाणा आकल्पान्तं परिचक्रमति Bhāg. P. 5, 23, 3.

— अनुपरि der Reihe nach umhergehen: अनुपरिक्रामम् absol. ÇAT. Br. 14, 8, 3, 6. Pār. Grh. 1, 16. regelmässig umschreiten, der Reihe nach besuchen, — besichtigen: सुरगिरिमुपरिक्रामन्भगवानादित्यः, सप्तकृत्वस्तरिणामनुपरिक्रामद्वितीय इव पतंगः Bhāg. P. 5, 1, 30. (तीर्थानि) सर्वाण्यनुपरिक्रम्य MBh. 3, 10414. स ताननुपरिक्रामेत्सर्वानिव (die Beamten) सदा स्वयम् M. 7, 122.

— विपरि 1) rings herumschreiten: विपरिक्रामम् absol. ÇAT. Br. 7, 5. 2, 30. 9, 4, 2, 10. — 2) विपरिक्रात muthig, tapfer: आहवे विपरिक्रातः प्रूरः पञ्चवमागतः R. 4, 22, 16.

— संपरि umschreiten, besuchen: तमग्निं संपरिक्रम्य PAKĀT. III, 172. बहूनि संपरिक्रम्य तीर्थान्यायतनानि च MBh. 1, 12.

— प्र 1) act. vorschreiten; ausgehen, ausziehen, aufbrechen; gehen: प्र सोमासः पर्वमानासो अक्रमः RV. 9, 31, 1. 32, 1. प्राक्रमिषमुषसामग्निवेवं 10, 93, 2. 9, 86, 17. प्र सप्त सप्त त्रेधा हि चक्रमुः (आयः) 10, 75, 1. 138, 5. उदीराणा उतासीनास्तिष्ठतः प्रक्रामतः AV. 12, 1, 28. ÇAT. Br. 3, 5, 4, 1. TS. 5, 2, 4, 7. redupl. aor. im Veda med.: प्र यद्यो न स्वसृणायच्छा प्र-यौंसि च नदीनां चक्रमत् RV. 2, 19, 2. प्र सिन्धुवो ज्वसा चक्रमत् 4, 22, 6. प्रक्रामन्वेपते Suçr. 1, 236, 14. परिजनस्तथा प्रक्रातः Mālav. 48, 20. प्रचक्रमुस्तद्वनम् R. 2, 34, 12. प्रक्राते beim Aufbruch, bei der Abreise Jāg. 2, 198. प्रदक्षिणम् rechts herumgehen: य एव — विक्षेप्यत्परमं पदं प्रदक्षिणं प्रक्रामति Bhāg. P. 5, 22, 17. प्राक्रस्त तयमेववत् BHATT. 13, 23 (Sch.: = प्रस्थितः, mit Verweisung auf P. 1, 3, 42 und Vop. 23, 33 wegen des med.; vgl. u. 4.). — 2) überschreiten: प्रक्रम त्वं महार्णवम् R. 5, 3, 73. — 3) med. verfahren gegen (loc.): यथापरः प्रक्रमते पेषु तथापरे प्रक्रमते परस्मिन् MBh. 13, 5573. — 4) med. an Etwas gehen, sich an Etwas machen, unternehmen, sich anschicken, beginnen P. 1, 3, 42. Vop. 23, 33. को वा किं वा प्रक्रमते हरिश्चेष्टः महाबलः R. 5, 1, 34. प्रक्रातं शास्त्रीयं कर्मावश्यं समापनीयम् Sch. zu KĀTJ. Çr. 1, 4, 4. mit dem infin. P. 3, 4, 65.